हुक्म

आवेदनपत्र वकील प्रतिवादी द्वारा अवगत कराया कि प्रार्थना अन्तर्गत धारा 151 C.P.C जिसमें से बहस के लिए नियत है उक्त प्रार्थनापत्र में प्रतिवादी नं० 1 के देहान्त होने के बाद उसका नाम तर्क करने के संबंध में है। न्यायालय द्वारा पूर्व में उक्त प्रार्थनापत्र को दिनांक 23/02/2016 को स्वीकार किया जाकर प्रतिवादी नं० 1 नारायण का नाम तर्क किया गया। उसके बाद वादी आवेदनकर्ता द्वारा पुनः समान प्रकृति का प्रार्थनापत्र पेश किया जिस पर किसी प्रकार की कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है अतः पत्रावली वास्ते साक्ष्य प्रतिवादी हेतु दिनांक 29/3/2023 को पेश हो।

29/3/23 पत्रावली पेश हुई। वकील उभय पक्ष उप० वकील प्रतिवादी साक्ष्य प्रतिवादी में शहादत पेश करने हेतु अवसर चाहते हैं। अवसर दिया जाता है। पत्रावली वास्ते साक्ष्य प्रतिवादी हेतु दिनांक 2/5/2023 को पेश हो।

2/5/23 पत्रावली आज पेश हुई। वकील उभयपक्ष उपस्थित/अनुपस्थित। पी.ओ.सा. दौरे/अन्य कार्य में व्यस्त है। अतः पत्रावली हुक्म साविका दिनांक 12/7/23 को पेश है

आज्ञा से

12/7/23 पत्रावली आज पेश हुई। वकील उभयपक्ष उपस्थित/अनुपस्थित। पी.ओ.सा. दौरे/अन्य कार्य में व्यस्त है। अतः पत्रावली हुक्म साविका दिनांक 13/9/23 को पेश है

आज्ञा से

Signature Not Verified
Digitally signed by Ramesh Sirvi Punadia
Date: 2024.01.06 18:16:30 IST
Reason: SelfAttested

13/9/23 पत्रावली पेश हुई। वकील वादीया अनुपस्थित। वकील वादीया एवं वादीया को तीन बार आवाज लगाई गई। अन्तिम आवाज 5:30 PM पर लगाई गई। कोई उपस्थित नहीं। अतः प्रकरण अदम हाजरी अदम पैरवी में खारिज किया जाता है। पत्रावली ...